भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
**राज्य सभा**
लिखित प्रश्न सं. 3827
गुरूवार, 03 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

**नांदेड, महाराष्ट्र में पर्यटन की संभावना**

**3827 श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महाराष्ट्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई पहल का ब्यौरा क्या है;

(ख) महाराष्ट्र राज्य में तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की महाराष्ट्र के नांदेड में पर्यटन क्षमता का संवर्द्धन करने की योजना है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार नांदेड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संस्कृति मंत्रालय के तहत प्रसाद जैसी योजनाओं को शामिल करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री** **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन, संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास करके और उन्हें बढ़ावा देकर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय किए जा रहे अपने प्रयासों के एक भाग के रुप में संवर्धात्मक गतिविधियों, आयोजनों, वेबसाइट, सोशल मीडिया संवर्धन गतिविधियों, मेलों और त्योहारों आदि के माध्यम से महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देता है।

(ख): पर्यटन मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत, महाराष्ट्र में 45.41 करोड़ रुपये की लागत से "त्र्यंबकेश्वर का विकास" परियोजना को मंजूरी दी है। परियोजना के प्रमुख घटकों में परिक्रमा, पर्यटक सुविधा केंद्र, पार्किंग, अन्य बुनियादी सुविधाओं आदि का विकास करना सम्मिलित है।

(ग) और (घ): पर्यटन मंत्रालय की चल रही योजनाओं के तहत नांदेड़ महाराष्ट्र में पर्यटन अवसंरचना के विकास का कोई प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है। पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्तावों की प्राप्ति एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों के पूरा होने तथा धन की उपलब्धता के अधीन ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

*******